इक वारी वृन्दावन जाणां पे गया

इक वारी वृन्दावन जाणां पे गया,
मैं तां मुड़ आई दिल औत्थे रह गया
इक वारी वृन्दावन जाणां पे गया...

मन्दिंर च लोकी अगे पिच्छे फिरदे,
राधे राधे कैंण मुहं च फुल खिड़दे
मैंनूं मिट्ठी वाणीं दा सवाद पे गया,मैं
तां मुड़ आई दिल औत्थे रह गया
इक वारी वृन्दावन जाणां पे गया,
मैं तां मुड़ आई दिल औत्थे रह गया
इक वारी वृन्दावन जाणां पे गया...

बांकें बिहारी जी दे भीड़ बड़ी,
मैं तां थक्क गई औत्थे लौकां च खड़ी
वजियां सी तालियां ते रोला पे गया
मैंनूं चड़ गई नाम ख़ुमारी,
लोकी कैन्दें रोला पे गया
वजियां सी तालियां ते रोला पे गया,
मैं तां मुड़ आई दिल औत्थे रह गया
इक वारी वृन्दावन जाणां पे गया,
मैं तां मुड़ आई दिल औत्थे रह गया
इक वारी वृन्दावन जाणां पे गया...

अख़ा नूं ख़ुमारी चड़ी नींद नस गई,
सांवरें दी सुरत मेरे नैंना वस गई
पुछ्दे ने लोकी श्याम की कह गया,
मैं तां मुड़ आई दिल औत्थे रह गया
इक वारी वृन्दावन जाणां पे गया,
मैं तां मुड़ आई दिल औत्थे रह गया
राधे राधे राधे राधे, राधे राधे राधे राधे

बाबा धसका पागल पानीपत
संपर्कसुत्र-7206526000

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35630/title/ek-wari-varindavan-jana-pe-gaya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |